ये अव्यक्त इशारे

अशरीरी व विदेही स्थिति का अभ्यास बढ़ाओ

21-11-2025

अशरीरी बनने के लिए समेटने की शक्ति बहुत आवश्यक है। अपने देह-अभिमान के संकल्प को, देह के दुनिया की परिस्थितियों के संकल्प को समेटना है। घर जाने के संकल्प के सिवाय अन्य किसी संकल्प का विस्तार न हो - बस यही संकल्प हो कि अब अपने घर गया कि गया। अनुभव करो कि मैं आत्मा इस आकाश तत्व से भी पार उड़ती हुई जा रही हूँ, इसके लिये अब से अकाल तख्तनशीन होने का अभ्यास बढ़ाओ।

Increase the practice of the bodiless stage (ashariri and videhi)

The power to pack up is essential for you to become bodiless. You have to pack up any thoughts of body consciousness and thoughts of adverse situations of this physical world. Apart from having the thought of returning home, do not have the expansion of any other thoughts. Simply have the thought that you are now about to return home. Experience yourself, a soul, to be flying beyond the element of the sky. For this, now increase the practice of being seated on the immortal throne.